(मिलियन टनों में)

	सुदामडीह खान	सुदामडीह वाशरी
1985-86	0.42	0.748
1986-87	0.45	0.927
1987-88	0.48	1.062

(घ) इस खान से होने वाले कोयले के उत्पादन की लागत में वृद्धि का कारण है—मूल रूप से प्रत्याशित उत्पादन की तुलना में उत्पादन का कम होना और उत्पादन कम होने का कारण है अत्यंत कठिन भू-खनन परिस्थितियों का होना। ऐसी परिस्थितियां आमतौर पर कोयला क्षेत्रों में नहीं पायी जाती है।

जनशक्ति के उपयोग को सीमित किया जाना

4565. **श्री राम जेठमलानी** : क्या **ऊर्जा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :—

(क) क्या यह सच है कि कोल इंडिया लि. ने केन्द्रीय सरकार को संस्थान में जनशक्ति के उपयोग को सीमित करने के लिए एक योजना भेजी है ;

(ख) यदि हां, तो इस योजना के कार्यान्वियन से संस्थान को कितना आर्थिक लाभ होगा और कितने श्रमिकों की छंटनी की जाएगी ; और

(ग) उस पर केन्द्रीय सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

ऊर्जा मंत्रालय में कोयला विभाग में राज्य मंत्री (श्री सी.के. जाफर शरीफ) : (क) "जनशक्ति का इस्तेमाल सीमित किए जाने" के विषय पर कोई योजना प्राप्त नहीं हुई है। परन्तु कोल इंडिया लि. ने अपने कामगारों की स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के संबंध में एक योजना सरकार के अनुमोदन के लिए प्रस्तुत की है।

(ख) इस योजना में लागत में कोई प्रभावकारी कमी लाने वाली वित्तीय प्रवृत्ति अन्तर्ग्रस्त नहीं है। इस योजना के अन्तर्गत किसी भी कामगार की छंटनी किए जाने का प्रस्ताव नहीं है।

(ग) यह योजना अभी जांचाधीन है।

नेशनल कोल डेवलपमेंट कारपोरेशन के अधीन सुदामडीह खानों के विकास के लिए सोवियत संघ से रोड हैडर्स की खरीद

4566. **श्री राम जेठमलानी** : क्या **ऊर्जा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :—

(क) क्या यह सच है कि नेशनल कोल डेवलपमेंट कारपोरेशन द्वारा संचालित सुदामडीह खानों और कोल वाशरी के विकास के लिए कुछ समय पहले सोवियत संघ से रोड हैडर्स खरीदे गए थे ;

(ख) यदि हां, तो इनकी संख्या और मूल्य क्या था ;

(ग) क्या इनका उपयोग खानों के विकास के लिए किया गया था; और

(घ) यदि हां, तो इनके उपयोग से प्राप्त परिणाम क्या है ?

ऊर्जा मंत्रालय में कोयला विभाग में राज्य मंत्री (श्री सी.के. जाफर शरीफ) : (क) से (घ) सुदामडीह की खानों के विकास के लिए अपेक्षित 6 रोड हैडर 4.17 करोड़ रुपए की लागत पर आस्ट्रिया से खरीदे गए थे, सोवियत रूस

से नहीं । इन रोड हैंडरों द्वारा दर्ज किए गए विकास के मीटरों का वर्ष वार ब्यौरा निम्नलिखित है :

1983-84 .. 1909 मीटर
1984-85 .. 3692 मीटर
1985-86 .. 2246 मीटर
1986-87 .. 2101 मीटर

Availability of Power for Small Scale Industries

4567. SHRI S.S. AHLUWALIA : Will the Minister of ENERGY be pleased to state:

(a) whether the Central Government have urged the State Governments to ensure availability of power to the small scale industries and also build the infrastructure for entrepreneurs to move into backward areas;

(b) if so, whether the State Governments are providing power to small scale industries in backward areas; and

(c) what is the position pertaining to Bihar in this context?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF POWER IN THE MINISTRY OF ENERGY (SHRI KALPNATH RAI) : (a) and (b) The supply of power to various categories of consumers is decided by the State authorities keeping in view the overall demand for power and its availability. The States have been advised to give priority in supply of power to core sector industries.

(c) The information is being clolected and will be placed on the Table of the House.

Central Government's Directives to State Governments for the Supply of Electricity to Farmers

4568. SHRI S. S. AHLUWALIA: Will the Minister of ENERGY be pleased to state:

(a) whether the Central Government have issued necessary directives to all the State Governments to make arrangements to provide electricity to the farmers for irrigation purposes for at least 12 hours a day; and

(b) if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF POWER IN THE MINISTRY OF ENERGY (SHRI KALPNATH RAI) : (a) and (b) The supply of power to various categories of consumers is decided by State authorities keeping in view the overall demand for power and its availability. However, the State authorities have been reques ed from time to time to accord highest priority to supply of power to the agricultural sector.

Under Benefits being Enjoyed by the Officers of the Department of Chemicals and Petro-Chemicals

4569. SHRI B. SATYANARAYAN REDDY
SHRI DAYANAND SAHAY:

Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state: